



## **"Rethinking Leadership: Insights from Mr. Ravi Kant at IIM Raipur's IR Dialogue"**

Indian Institute of Management Raipur (IIM Raipur) proudly hosted Mr. Ravi Kant, Former CEO of Tata Motors and Board Member of Kone Elevators and Hawkins Cookers, for the third installment of its prestigious IR Dialogue series. The eminent speaker session at the institute's campus focused on the compelling topic of "Global Business Leadership: The Art of Leading from the Back."

During his lecture, Mr. Ravi Kant delved into the concept of leading from the back, emphasizing its distinction from traditional front-facing leadership. He highlighted the importance of contextual leadership, emphasizing the need for adaptability and quick response to changes in economic conditions and industry phases.

Acknowledging the historical context of leadership evolving from military norms, Mr. Ravi Kant noted that relatively young corporations must adapt to the current business landscape. He underscored the changing dynamics, citing the reduced stability of economic projections and the increasing unpredictability, necessitating a shift from hierarchical to distributed organizational structures. Sharing insights from his experiences, Mr. Ravi Kant addressed key personal and team leadership aspects, advocating for open-mindedness, ownership, and detachment. He emphasized the significance of trust in building long-term relationships and collaboration within a team.

In a panel discussion involving Prof. Navneet Bhatnagar, Prof. Satyasiba Das, and Mr. Ravi Kant explored the skills required for success in the global scenario of the coming decades. Mr. Ravi Kant emphasized the importance of visualizing scenarios, understanding people, and leveraging their strengths. He shared examples from his own experiences, highlighting the critical role of people and honesty in successful business ventures. Prof. Satyasiba Das reflected on the innate wisdom demonstrated by the guest, stating that true leadership cannot be taught but must be experienced. He challenged the conventional focus on increasing shareholder value, emphasizing the need to prioritize stakeholders and find joy in work.

The session concluded with an engaging Q&A session, where students gained insights and knowledge about leadership from Mr. Ravi Kant's wealth of experience. Prof. Navneet Bhatnagar extended heartfelt thanks to the leadership of IIM Raipur, faculty members, students, and the IRC student body for organizing the event.

### **About IIM Raipur:**

Established in 2010, IIM Raipur is a hub for nurturing dynamic leaders, equipping them with the knowledge, experience, and invaluable contacts needed to excel in their respective fields of business. Our institution draws strength from over 50 accomplished academicians across various business domains and over 700 of the brightest minds in the country. In 2023, IIM Raipur proudly achieved significant rankings, including 11th in the MHRD-NIRF Business Ranking, securing the top spot in the CSR-GHRDC B-school Ranking, and ranking 8th in the Outlook-ICARE list. We are one of the fastest-growing IIMs in the nation. Nestled in the vibrant heart of Chhattisgarh, Naya Raipur, our new, state-of-the-art campus seamlessly

blends modern architecture with Chhattisgarh's rich culture and heritage, creating a unique and inspiring learning environment.



## "पुनर्विचार नेतृत्व: भा.प्र.सं. रायपुर के आईआर संवाद में श्री रवि कांत की अंतर्दृष्टि"

भारतीय प्रबंध संस्थान रायपुर (भा.प्र.सं. रायपुर) ने गर्व से अपने प्रतिष्ठित आईआर संवाद शृंखला के तीसरे अंक के लिए टाटा मोटर्स के पूर्व सीईओ और कोने एलिवेटर्स और हॉकिंस कुर्कर्स के बोर्ड सदस्य श्री रवि कांत का स्वागत किया। संस्थान के कैम्पस पर महान वक्ता सत्र ने "ग्लोबल व्यापार नेतृत्व: पिछले से नेतृत्व की कला" नामक रोचक विषय पर ध्यान केंद्रित किया।

अपने व्याख्यान के दौरान, श्री रवि कांत ने पीछे से नेतृत्व करने की अवधारणा पर प्रकाश डाला, और पारंपरिक सामने वाले नेतृत्व से इसके अंतर पर जोर दिया। उन्होंने आर्थिक स्थितियों और उद्योग चरणों में बदलाव के लिए अनुकूलन क्षमता और त्वरित प्रतिक्रिया की आवश्यकता पर जोर देते हुए प्रासंगिक नेतृत्व के महत्व पर प्रकाश डाला।

नेतृत्व के ऐतिहासिक सन्दर्भ को सेनाओं के मानकों से विकसित होने की पहचान करते हुए, श्री रवि कांत ने दरअसल युवा कंपनियों को वर्तमान व्यापार परिदृश्य के अनुरूप बदलना चाहिए, यह बात गंभीरता से नोट की। उन्होंने परिवर्तनशील गतिविधियों पर जोर दिया, अर्थशास्त्रिक पूर्वानुमानों की कम स्थिरता और अनियमितता में वृद्धि का उदाहरण देते हुए, पदानुक्रमित से वितरित संगठनात्मक संरचनाओं में बदलाव की आवश्यकता को उजागर करता है। अपने अनुभवों से अंतर्दृष्टि साझा करते हुए, श्री रवि कांत ने मुख्य व्यक्तिगत और टीम नेतृत्व पहलुओं पर ध्यान केंद्रित किया, मनबुद्धि, स्वामित्व, और वियोग के लिए वकालत की। उन्होंने टीम के भीतर लंबे समय तक के संबंधों और सहयोग की महत्वता पर जोर दिया।

प्रोफेसर नवनीत भटनागर, प्रोफेसर सत्यसिबा दास, और श्री रवि कांत के बीच एक पैनल चर्चा में आने वाले दशकों के वैश्विक संदर्भ में सफलता के लिए आवश्यक योग्यताओं का अन्वेषण किया गया। श्री रवि कांत ने परिदृश्यों को दृष्टिकोण देने, लोगों को समझने, और उनके सामर्थ्यों का उपयोग करने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने अपने अपने अनुभवों से उदाहरण साझा किए, सफल व्यापार के लिए लोगों और ईमानदारी की महत्वपूर्ण भूमिका को उजागर किया। प्रोफेसर सत्यसिबा दास ने मेहमान द्वारा दिखाई गई अंतरात्मा की ज्ञानवानी को अभिव्यक्त किया, कहते हुए कि असली नेतृत्व को सिखाया नहीं जा सकता है, बल्कि उसे महसूस किया जाना चाहिए। उन्होंने अंशभागी मूल्य को बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करने की पारंपरिक धारणा को चुनौती दी, हितधारकों को प्राथमिकता देने और काम में आनंद को खोजने की आवश्यकता पर जोर दिया।

इस सत्र को एक रोचक प्रश्नोत्तरी सत्र के साथ समाप्त किया गया, जहां छात्रों ने श्री रवि कांत के विशाल अनुभव से नेतृत्व के बारे में ज्ञान प्राप्त किया। प्रोफेसर नवनीत भटनागर ने भा.प्र.सं. रायपुर के नेतृत्व, शिक्षकों, छात्रों, और आईआरसी छात्र संघ को इस कार्यक्रम का आयोजन करने के लिए गहरा आभार व्यक्त किया।

## भा. प्र. सं. रायपुर के बारे में:

2010 में स्थापित, भा. प्र. सं. रायपुर एक ऐसा केंद्र है जो गतिशील नेताओं को पोषित करने के लिए है, जो उन्हें व्यापार के अपने विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए जरूरी ज्ञान, अनुभव, और अनमोल संपर्क प्रदान करता है। हमारे संस्थान को व्यापार डोमेन के विभिन्न क्षेत्रों में 50 से अधिक प्रतिष्ठित शिक्षाविदों से ताकत प्राप्त है और देश के 700 से अधिक उत्कृष्ट दिमागों से लाभ होता है। 2023 में, भा. प्र. सं. रायपुर ने माननीय मानव संसाधन और विकास मंत्रालय-नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ रैंकिंग फ्रेमवर्क्स (एमएचआरडी-एनआईआरएफ) बिजनेस रैंकिंग में 11वें स्थान, सीएसआर-जीएचआरडीसी बी-स्कूल रैंकिंग में पहले स्थान, और आउटलुक-आईकेएआरई सूची में 8वें स्थान हासिल किया। हम राष्ट्र में सबसे तेजी से बढ़ रहे भा. प्र. सं. में से एक हैं। छत्तीसगढ़ के जीवंत हृदय, नया रायपुर में स्थित हमारा नया, आधुनिक कैंपस आधुनिक वास्तुकला को छत्तीसगढ़ की समृद्ध संस्कृति और विरासत के साथ मिलाकर एक अद्वितीय और प्रेरणादायक शिक्षा वातावरण बनाता है।

